

भारत-श्रीलंका संयुक्त उद्यम को विशेषज्ञों की रपोर्ट का इंतजार

चर्चा में क्यों?

भारत-श्रीलंका के बीच प्रस्तावित संयुक्त उद्यम को अंतमि नष्टिकरण पर पहुँचाने के लिये श्रीलंकाई सरकार द्वारा विशेषज्ञों से परामर्श लिया जा रहा है। संभव है कि विशेषज्ञों की राय के उपरान्त श्रीलंकाई सरकार द्वारा इस संयुक्त परियोजना को अनुमति दी जाएगी।

प्रमुख बादः:

- श्रीलंका सरकार दक्षिणी प्रांत में स्थिति हानिमें चल रहे मत्ताला हवाई अड्डे के परचालन हेतु भारत के साथ अपने संयुक्त उद्यम को अंतमि रूप देने के लिये विशेषज्ञों की एक रपोर्ट का इंतजार कर रही है।
- भारतीय विमानपत्रन प्राधिकरण और श्रीलंका की विमानपत्रन और विमान सेवाओं के बीच प्रस्तावित संयुक्त उद्यम के अनुसार, एयरपोर्ट का पुनर्निर्माण करने और संचालन के लिये भारत की हसिसेदारी 70% होगी और इसे 225 मलियन डॉलर खरच करना होगा जबकि श्रीलंकाई पक्ष शेष राशि का निविश करेगी।
- समझौते के मसौदे के अनुसार, यह सुधार कोलंबो में तीन वार्ताओं के बाद हुआ है। अब भारत 40 साल के पट्टे पर हवाई अड्डे का संचालन करेगा।
- नागरिक उड़ान मंत्री नमिल सरीपाल डी सलिवा ने हाल ही में संसद को बताया कि हिमें इस मृतप्राय हवाई अड्डे को पुनर्जीवित करने की ज़रूरत है, जिसके कारण 20 अरब रुपए का भारी नुकसान हुआ है।
- इस मुकाम तक पहुँच पाना कसी भी दृष्टिकोण से आसन नहीं था, जबकि विपक्षी और पूर्व राष्ट्रपति महाद्विरा राजपक्ष द्वारा संयुक्त रूप से इस समझौते का वरिधि किया जा रहा था।
- वर्तमान में यह हवाई अड्डा घाटे में चल रहा है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसे “विशेष का सबसे खाली हवाई अड्डा” (world's emptiest airport) का दर्जा दिया जा रहा है।
- उल्लेखनीय है कि संयुक्त उद्यम कई प्रकार के विकल्पों की तलाश करेगा जैसे- उड़ान स्कूल की स्थापना, प्रशिक्षण अकादमियों का संचालन, वायुयान यातायात को वाणिज्यिक दृष्टिकोण से सुगम बनाना।
- वर्तमान परचालन लागत श्रीलंकाई रुपए में 250 मलियन (लगभग \$ 1.56 मलियन) प्रतमिह है, बनि कसी उड़ान के यह हवाई अड्डा वाणिज्यिक दृष्टिकोण से एक कमज़ोर तरक्क प्रस्तुत करता है।
- उल्लेखनीय है कि इन सभी शर्तों के साथ ही हम्बनटोटा जो यहाँ से 30 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थिति है और जहाँ चीन ने बंदरगाह के निर्माण में 70% का योगदान दिया है, को 99 वर्ष के पट्टे पर दिया गया है। ऐसे में यह भारत के सामरकि दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।
- अपनी महत्वाकांक्षी वन बेल्ट वन रोड पहल के हसिसे के रुप में चीन द्वीप के दक्षिणी सरि में भारी निविश कर रहा है।
- इस दौरान राजपक्ष खेमा जो राजनीतिकि वापसी की कोशशि कर रहा है और पछिले कुछ महीनों में भारत की जानी-मानी सामरकि चतिआओं ने विपक्ष को बढ़ावा दिया है।
- गौरतलब है कि भारत केवल हवाई अड्डे के वाणिज्यिकि पहलुओं का प्रभार लेना चाहता है। वह सुरक्षा मामलों में श्रीलंका की ज़मिमेदारी की पूरी तरह से सराहना करता है और इसमें कसी भी भूमिका की मांग नहीं करता है।
- श्रीलंका सरकार के सूत्रों के मुताबिकि, कोलंबो ने मत्ताला हवाई अड्डे को चलाने की योजना बनाने के संबंध में नई दलिली से विस्तृत कार्य-योजना मांगी है। नई दलिली भी समझौते को मजबूत करने का इच्छुक है। द्वीप की हाल की यात्रा के दौरान विदेश सचिव विजय गोखले ने श्रीलंकाई अधिकारियों से मत्ताला हवाई अड्डे सहाति भारत समर्थति परियोजनाओं में तेज़ी लाने के लिये आग्रह किया है।